To the Tart



ग्रसाचारण

EXTRAORDINARY

भाग I--- लण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 204] नई विल्लो, बृहस्यतिजार, विसम्बर 2, 1971/ग्रप्रहायण 11, 1893

No 204] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 2, 1971/AGARYAHANA 11, 1893]

इस भाग में भिन्न पष्ठ संस्था वी जाती है जिससे कि यह झलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 2nd December 1971

No. DRAWBACK/PN-13.—Under the existing procedure, data furnished by the exporters/manufacturers for fixation/revision of brand rates of drawback is being verified by the Collector of Customs/Central Excise under whose juriculation the manufactory is situated. With a view to expediting the process of fixation of rates of drawback, it has been decided by Government as an experimental measure, that in the case of exporters/manufacturers, who are companies required to have Chartered Accountants as Statutory Auditors, a certificate from their Statutory Auditors may be accepted in lieu of detailed prior verification of the data if there are no special circumstances which necessitate prior verification and subject to detailed verification subsequently. A copy of the certificate to be furnished by the Statutory Auditors is enclosed.

The exporters/manufacturers desirous of availing this facility are required to submit the data in DBK statements I to III along with their Statutory Auditor's certificate, in triplicate to the Director (Drawback), Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance), Jeevan Deep Building, New Delhi.

In all cases where drawback rates are desired to be fixed on the basis of Statutory Auditor's certificate, it is necessary for the exporters to furnish an undertaking at the time of submission of data, and also subscribe a declaration at the time of export on the Shipping Bill to the effect that in case the rate or amount of drawback is subsequently found to be lower than that fixed on the basis of data furnished by them and certified by the Statutory Auditors, they would repay to the Government the excess amount of drawback received by them without prejudice to any other action for which they may be liable under the Customs Act or any other Law in force in the Union of India.

Where the exporters/manufacturers cannot produce the Statutory Auditor's certificate, the existing procedure of detailed prior verification would continue.

To

The Director (Drawback),
Ministry of Finance,
(Department of Revenue and Insurance),
Jeevan Deep Building,
Parliament Street,
New Delhi.

Sir.

- (1) We have obtained all the information which to the best of our knowledge and belief were necessary for our verification;
- (2) The description of materials, the quantity of each of them used, the wastage obtained, the price at which the waste materials have been sold, the quantity of by-product obtained and the price at which by product has been sold per***

 of the goods as shown in DBK Statement I are correct.
- (3) The details of import of materials furnished in DBK Statement II have been verified with the triplicate copies of Bills of Entry and relevant invoices and found to be correct in all finterial respects.
- Note.—The triplicate copies of the Bills of Entry bear the Customs Appraiser's assessment order, the amount of duty assessed in pin type perforations and the Customs Treasury Oval, stamp with the Serial Number of cash receipt or deposit account entry and date of receipt.

These materials are actually being used by the party in the manufacture of the goods in question in his manufactory.

(4) The details of excisable materials given in Drawback Statement III have been verified and the amount of Central Excise duties mentioned therein have been checked and all details and particulars found to be correct.

Address:-

(Signature and stamp of Statutory Auditors).

^{*}Name of the goods.

^{**}Name & Full address of the party,

^{***}Name of the unit. i.e. per tonne, per kg., etc.

वित्त मंत्रालय

(राजस्य भौर बीमा विभाग)

मार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर, 1971

संख्या प्रति श्रवायगी/पी एन-13. विद्यमान कार्यविधि के अन्तर्गत प्रतिभ्रदायगी की श्राण्डदरों के निर्धारण।संग्रोधन के लिए निर्यातकर्ताओं। निर्माताओं द्वारा दियं गये आंकड़ों का सत्यापन उस सीमाणुल्क /केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता द्वारा किया जाता है जिसके श्रिधकार क्षेत्र में वह निर्माणशाला स्थित हो। प्रतिग्रदायगी की दरों के निर्धारण की प्रक्रिया को श्रीझगामी सनाने के उद्देश्य से सरकार द्वारा प्रायोगिक तौर पर यह निर्णय किया गया है कि ऐसे निर्यातकर्ताओं. निर्मामिण्यों के मामले में, जो ऐपी कम्पनियां हैं जिन्हें सांविधिक लेखा परीक्षक के रूप में चार्ट उ लेखाकारों को रखना पड़ता है, उनमें, आंकड़ों के विस्तृत पूर्व सत्यापन के स्थान पर उनके सांविधिक लेखा प क्षितकों से प्रमाण पत्न स्वीकार कर लिया जाये वशर्ते कि ऐपी कोई विशेष परिस्थितयां महीं हैं जिनके कारणपूर्व सत्यापन किया जाना श्रीर बाद में विस्तृत सत्यापन किया जाना श्रावश्यक हो। सांविधिक लेखा परीक्षकों द्वारा दिये जाने वाले प्रमाण-पत्न की एक प्रतिलिप संलग्न है।

इन सूविधमुश्रां का लाभ उठाने के इच्छुक निर्यातकर्ताश्रां/ निर्माताश्रां के लिए अपने श्रांकड़े, साविधिक लेखा परीक्षकों के प्रमाण पन्न के साथ अति श्रदायगी के I से III तक के विवरण पन्नों में, (तीन प्रतियां) निदेशक (प्रतिग्रदायगी) वित्त मंत्रालय (राजस्व तथा बीमा विभाग), जीवन बीप बिल्डिंग, नई दिल्ली को भेजने श्रावश्यक हैं।

ऐसे सभी मामलों में, जिनमें प्रतिम्रदायगी की दरें सांविधिक लेखा परीक्षक के प्रमाण पत्न के भ्राधार पर निर्धारित की जानी होती हैं, निर्धातकर्नाओं के लिए श्रांकड़ें देते समय यह वचन देना श्रीर साथ ही निर्धात करते समय पोत परिवहन बिल पर इस आणय को घोगण करना अवभ्यक है कि यदि प्रतिभ्रदायगी की दर श्रयवा रकम बाद में, उनके द्वारा प्रस्तुत किये गये भ्रीर सांविधिक लेखा परीक्षकों द्वारा प्रमाणित श्रांकड़ों के श्राधार पर नियत की गई दर श्रयवा रकम की तुलना में कम बैंडिंग है तो वे प्राप्त हुई प्रतिभ्रदायगी की फालतू रकम सरकार को वापिस कर देंग लेकिन इसका सीमा शुल्क श्रविनियम श्रयवा भारतीय सब में प्रवर्गमान किसी श्रन्य कानून के श्रधीन उन पर किसी श्रन्य अकार को कार्यवाही किये जाने पर कोई प्रतिकूल प्रसाव नहीं पड़ेगा।

जिन मामलों में निर्गातकर्ता / तिनीता सांविधिक लेखा परीक्षक का प्रमाण पत्न प्रस्तुत करने में ग्रसमर्थ हैं, जनमें विस्तृत पूर्व सत्यापन को विद्यमान कार्याविधि जारी रहेगी । सेवा में :

निदेशक (प्रतिभ्रदायगी) वित्त मंत्रालय, (राजस्व भ्रौर बीमा विभाग), जीवन दीप बिल्डिंग , पालियामेंट स्ट्रीट , नर्फ विल्ली ।

महोखय,

हमने मैसर्स **-----कै* ------कै पर प्रतिग्रदायगी की दरों को निर्धारित करने के लिए दिये गये दिनांक -----कै भ्रावेदन पत्र तथा उपर्युक्त ग्रावेदन पत्र के साथ संलग्न प्रतिग्रदायगी विवरण-पत्न I, II, ग्रौर III का सत्यापन कर लिया है ग्रौर हम रिपोर्ट देते हैं कि :

- (1) हमने वह सभी भूचना प्राप्त कर ली है जो हमारे सौंत्तम ज्ञान तथा विश्वास के ग्रनुसार सत्यापन के लिए श्रावश्यक थी।
- (2) सामग्रियों का विवरण प्रत्येक की इस्तेमाल की गई मात्रां, प्राप्त छीजन वह मूल्य जिस पर छीजन का माल बेचा गया है, प्राप्त हुए उप-उत्पाद की मान्ना तथा वह मूल्य जिस पर उप-उत्पाद माल का प्रति *** बेचा गया है जसा कि प्रतिश्रदायगी विवरण-पत्न में दिखाया गया है, सही है ।
- (3) प्रतिभ्रदायगी विवरण-पत्न II में ी गई सामग्री में भ्रायात के विवरण का सत्यपन श्रागम-पत्नों की तीसरी प्रतियों तथा संगत बीजकों के संदर्भ में दिया गया है भ्रौर उसे सभी वास्तविक पहलुओं से सही पाया गया है।
- टिप्पणी:—-श्रागम-पत्नों की तीसरी प्रतियों पर सीमाशुल्क मूल्यांकन का शुल्क निर्धारण का भ्रादेश निर्धारित शुल्क की पिन के प्रकार के छिद्रणों में श्रंकित रक्षम तथा रोकड़ रसीद की ऋम संख्या श्रथवा जमाखाते की प्रविष्टि भ्रोर प्राप्ति की तारीख सहित सीमाशुल्क खजाने की श्रण्डाकार मोहर वी होती है। पार्टी द्वारा ये वस्तुएं उपर्युक्त माल के उत्पादन में उसकी निर्माण-शाला में वास्तव में इस्तेमाल की जा रही है।

(4) प्रति-दायगी विवरण-पत्न III में दी गई शुल्क लगने योग्य वस्तुमों के विवरण का सत्यापन कर लिया गया है तथा उसमें उल्लिखित केन्द्रीय उत्पानशुल्क की रकम की पड़ताल कर ली गई है तथा सभी क्योरे तथा विवरण सही पाये गये हैं।

पताः :---

सांविधिक लेखा परीक्षकों का हस्ताक्षर

भौर मोहर।

एम• पंचप्पा, निदेशक, (प्रतिभ्रदायगी)।

^{*} माल का नाम ।

^{**} पार्टीकानाम श्रौरपूरा पता।

^{***}इकाई का नाम अर्थात्, प्रतिटन, प्रति किलो ग्राम स्रादि ।